# हरियाणा के साइंस टीचर सत्यपाल सिंह राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित

## चर्चा में क्यों?

- 5 सितंबर, 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में हरियाणा के रेवाड़ी ज़िले के गाँव बुड़ौली स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के साइंस टीचर सत्यपाल सिंह को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया।

## प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में देशभर के कुल 75 चयनित शिक्षकों को वर्ष 2023 के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया।
- इस शिक्षक सम्मान समारोह में सभी पुरस्कृत शिक्षकों को पुरस्कार स्वरूप 50 हज़ार रुपए नकद, प्रशस्ति-पत्र, शॉल, श्रीफल दिया गया।
- गाँव बुड़ौली स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के साइंस टीचर सत्यपाल सिंह हरियाणा के एकमात्र ऐसे टीचर हैं, जिन्हें इस वर्ष राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से नवाजा गया। इससे पहले उन्हें वर्ष 2021 में राज्य शिक्षक का भी पुरस्कार मिल चुका है।
- रेवाड़ी के रहने वाले सत्यपाल सिंह की पहली पोस्टिंग रेवाड़ी के ही गाँव टांकड़ी के राजकीय उच्च स्कूल में बतौर विज्ञान अध्यापक वर्ष 2002 में हुई थी। उस समय स्कूल की प्रयोगशाला ज़र्जर हालत में थी। उन्होंने अपने प्रयासों से प्रयोगशाला को श्रेष्ठ प्रयोगशाला बनाया और अतिरिक्त कक्षाएँ लगाकर स्टूडेंट को विज्ञान विषय में पारंगत किया। रेवाड़ी के ही गाँव प्राणपुरा स्कूल में पोस्टिंग के दौरान भी उन्होंने वहाँ की लैब को बेहतर बनाया।
- सत्यपाल सिंह कक्षा तीसरी से लेकर 8वीं तक के स्टूडेंट के लिये किताबें भी लिख चुके हैं। कक्षा तीसरी, चौथी व पाँचवीं की झरोखा ईवीएस किताब पूरे हरियाणा में पढ़ाई जा रही है। वहीं छठी से आठवीं तक की विज्ञान मॉड्यूल की किताब लिखी, जो स्टूडेंट के साथ ही शिक्षकों के लिये भी लाभकारी रही।
- इसके अतिरिक्त वे 10 बार राज्य स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी में व राष्ट्र स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में स्टूडेंट के साथ सहभागिता कर चुके हैं। उनके मार्गदर्शन में 45 विद्यार्थियों का राष्ट्रीय साधन एवं योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा, यानी (NMMS) के लिये चयन हुआ है। वहीं खुद के खर्च पर 3 राज्यस्तरीय विज्ञान प्रयोगशालाएँ उनके द्वारा तैयार कराई जा चुकी हैं।
- SCERT में टीचरों व बच्चों के लिये चॉकलेट ऐप उनके द्वारा तैयार किया गया। दीक्षा ऐप तथा SCERT के लिये वीडियो मॉड्यूल तैयार किये। इसके अलावा कोविड काल में स्टूडेंट के ई-लर्निंग के लिये यू-ट्यूब चैनल व वीडियो बनाए गए।
- **राष्ट्रीय शिक्षक दिवस:**
  - वर्ष 1962 से प्रतिवर्ष 5 सितंबर को मनाए जाने वाले इस दिवस का उद्देश्य भारत में स्कूल अध्यापकों, शोधकर्त्ताओं और प्रोफेसरों सहित अन्य शिक्षकों के योगदान का सम्मान करना है।
  - भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने छात्रों के उत्सव के अनुरोध की प्रतिक्रिया में उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था।
- **राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार:**
  - राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार का उद्देश्य देश के कुछ बेहतरीन शिक्षकों के अनूठे योगदान का जश्न मनाना तथा उन शिक्षकों को सम्मानित करना है, जिन्होंने अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है, बल्कि अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध बनाया है।
  - ये पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं।
  - पुरस्कार में एक रजत पदक, एक प्रमाण-पत्र एवं 50,000 रुपए की नकद राशि शामिल है।
  - इस वर्ष पुरस्कार के दायरे में स्कूली शिक्षा तथा साक्षरता विभाग द्वारा चयनित शिक्षकों के अतिरिक्त उच्च शिक्षा विभाग एवं कौशल विकास मंत्रालय द्वारा चयनित शिक्षकों को भी शामिल किया गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/haryana-science-teacher-satyapal-singh-honoured-with-national-teacher-award